दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

ईरान का इज़रायल पर साल्वो मिसाइलों से हमला, हाइफा और उत्तरी क्षेत्र में मची अफरातफरी

नागरिकों में फैली दहशत, हालात तनावपूर्ण

मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ताज़ा घटनाक्रम में ईरान ने इज़रायल पर साल्वो मिसाइलों से हमला किया है, जिससे हाइफा और उत्तरी इज़रायल में भारी अफरातफरी मच गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अचानक हुए हमले से स्थानीय नागरिकों में भय और दहशत का माहौल बन गया है।

ईरान की ओर से छोड़ी गई मिसाइलें अत्याधुनिक तकनीक वाली बताई जा रही हैं, जो एक साथ कई दिशाओं में हमला करने में सक्षम होती हैं। मिसाइल हमले के बाद उत्तरी इज़रायल के कई क्षेत्रों में आपातकालीन अलर्ट जारी किया गया है। हाइफा और आसपास के क्षेत्रों में नागरिकों को बंकरों में शरण लेने के निर्देश दिए गए हैं। कई स्कूल और संस्थान बंद कर दिए गए हैं, और सड़कों पर सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन घटनास्थल से आई शुरुआती तस्वीरें और जानकारी इस हमले की गंभीरता को दर्शा रही हैं।

क्षेत्रीय तनाव के इस नए चरण ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। विश्लेषकों का मानना है कि यह संघर्ष और अधिक उग्र हो सकता है यदि दोनों पक्षों ने संयम नहीं बरता।

स्थिति पर निगरानी बनाए हुए है और आगे के घटनाक्रम का इंतजार किया जा रहा है।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१९ वा | शुक्रवार २० जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड के सांसद बजरंग सोनवणे पहुंचे ब्राज़ील, गन्ना उत्पादकों के लिए नवीनतम तकनीक का कर रहे हैं अध्ययन

इंडिया-ब्राज़ील शुगर एंड बायो एनर्जी मिशन' में भारत का प्रतिनिधित्व-बीड के लिए गर्व का क्षण

बीड (प्रतिनिधि): गन्ना उत्पादन में अग्रणी देश ब्राज़ील में आयोजित इंडिया-ब्राज़ील शुगर एंड बायो एनर्जी मिशन' में बीड के सांसद बजरंग सोनवणे ने भाग लेकर जिले का नाम रोशन किया है। यह अध्ययन दौरा १५ जून से शुरू होकर एक सप्ताह तक चलेगा, जिसमें वे ब्राज़ील में गन्ना उत्पादकों के हित में उपयोगी नई तकनीकों का गहन निरीक्षण कर रहे हैं।

इस दौरे का आयोजन भारत के नेशनल शुगर फेडरेशन द्वारा किया गया है, जिसका उद्देश्य गन्ना किसानों को केंद्र में रखकर चीनी उद्योग और उसके सहउत्पादनों के माध्यम से विकास को गति देना है। इस मिशन में महाराष्ट्र के जलसंपदा मंत्री ना. राधाकृष्ण विखे पाटील, पूर्व मंत्री राजेश टोपे, हर्षवर्धन पाटील, माजलगांव छत्रपती चीनी मिल के अध्यक्ष मोहन जगताप, और फेडरेशन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

इस अंतरराष्ट्रीय मिशन के तहत चीनी उद्योग में अत्याधुनिक तकनीक, जैव ऊर्जा उत्पादन की प्रगत विधियाँ, और सह-उत्पादन की नई संभावनाओं का विश्लेषण किया जाएगा। सांसद सोनवणे ने कहा कि ब्राज़ील से मिले अनुभवों से भारतीय गन्ना उद्योग को और मजबूत किया जा सकता है, और किसानों को समृद्ध बनाने के लिए इन तकनीकों को भारत में लागू करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि, बीड जिले के गन्ना उत्पादकों को नई तकनीकों की जानकारी मिलना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से गन्ना किसानों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है - इसी उद्देश्य से हम यह अध्ययन दौरा कर रहे हैं।

यह बीड जिले के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि सांसद बजरंग सोनवणे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जिले का नेतृत्व करते हुए गन्ना किसानों के भविष्य को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है। यह कदम न केवल कृषि विकास की दिशा में एक नई शुरुआत है, बल्कि बीड को वैश्विक पहचान दिलाने वाला प्रयास भी है।

धनंजय मुंडे को हाईकोर्ट से झटका, बेटी को ७५,००० प्रतिमाह और करुणा मुंडे को गुज़ारा भत्ता देने के आदेश बरकरार

मुंबई संवाददाता:

पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे को उनकी बेटी के लिए ७५,००० प्रतिमाह गुज़ारा भत्ता देने और करुणा मुंडे से संबंधित गुज़ारा भत्ते के मामले में राहत नहीं मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले की अंतिम सुनवाई अगले आठ हफ्तों में निर्धारित की है और इस अवधि में संबंधित पक्षों से अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा है।

फौजदारी याचिका क्रमांक २८०८/२०२५ की सुनवाई न्यायमूर्ति मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ के समक्ष हुई। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि बेटी के गुज़ारा भत्ते के आदेश पर कोई स्थगन नहीं दिया गया है। साथ ही करुणा मुंडे के मामले में न्यायालय ने निर्देश दिया है कि संपूर्ण बकाया रक़म का ५०% हिस्सा प्रथम वर्ग दंडाधिकारी बांद्रा की अदालत में चार हफ्तों के भीतर जमा किया जाए।

इससे पूर्व, दिनांक ०८ फरवरी २०२५ को जे.एम.एफ.सी. बांदा कोर्ट ने बेटी को ७९,००० और करुणा मुंडे को १,२५,००० प्रतिमाह गुज़ारा भत्ता देने का आदेश दिया था, जिसे लेकर अर्ज की तारीख से लागू माना गया। इस आदेश को बाद में ०५ अप्रैल २०२५ को जिला एवं सत्र न्यायालय, मझगांव ने भी बरकरार रखा और धनंजय मुंडे की अपील खारिज कर दी थी। इन दोनों आदेशों के विरुद्ध उन्होंने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

इस प्रकरण में करुणा मुंडे की ओर से अधिवक्ता चंद्रकांत ठोंबरे और अधिवक्ता भूषण गणभास पैरवी कर रहे हैं।

आश्रमशालाओं में छात्रों के साथ हो रहा अन्याय, अधिकारियों और संचालकों की उदासीनता से छात्रों के अधिकारों की अनदेखी

बीड के सामाजिक कार्यकर्ताओं और शिक्षकों ने उठाया सवाल - क्या आश्रमशालाएं सिर्फ अनुदान हड़पने का साधन बन गई हैं?

बीड (१९ जून):

राज्यभर में १६ जून को स्कूल प्रवेश महोत्सव के तहत जिलाधिकारी, शिक्षा विभाग और जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों में नए विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। छात्रों को गणवेश, किताबें, स्टेशनरी और अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। लेकिन इसी दौरान राज्य के अन्य मागास बहुजन कल्याण विभाग द्वारा संचालित ९७७ आश्रमशालाओं के छात्रों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।

इन आश्रमशालाओं में विमुक्त भटकी जनजातियों, विशेष पिछड़ा वर्ग, गन्ना श्रमिकों के बच्चे और अन्य कमजोर तबकों के लिए आवासीय

शिक्षा की सुविधा है। इसके बावजूद आश्रमशालाओं में स्कूल प्रवेश महोत्सव का आयोजन ना के बराबर हुआ। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या आश्रमशालाएं केवल सरकारी अनुदान प्राप्त करने के लिए ही चलाई जा रही हैं? यह गंभीर सवाल सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे लिंबागणेशकर ने उठाया है।

बीड जिले में ३० संस्थाओं के अंतर्गत कुल ४५ आश्रमशालाएं (प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर की) कार्यरत हैं, जिनमें १०,००० से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इन छात्रों के लिए शासन की ओर से प्रति विद्यार्थी २२०० प्रतिमाह पोषण अनुदान, आवासीय सुविधाएं (बिस्तर, कंबल, भोजन, शैक्षणिक सामग्री), दो स्कूल यूनिफॉर्म, नाइट ड्रेस, चिकित्सा, मनोरंजन, खेल सामग्री, सीसीटीवी, सौर ऊर्जा उपकरण आदि के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं।

लेकिन वास्तव में कई आश्रमशालाओं में उउढत बंद पड़े हैं, भोजन की गुणवत्ता खराब है और मूलभूत सुविधाएं अनुपलब्ध हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बहुजन कल्याण विभाग के अधिकारी और आश्रमशाला संचालक मिलकर इन छात्रों के अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं और योजनाओं का लाभ छात्रों तक नहीं पहुंच रहा है।

बीड जिला आश्रमशाला शिक्षक-अशिक्षक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष धनंजय सानप ने भी इस स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि फुले-शाहू-अंबेडकर के विचारों पर आधारित शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के बजाय वर्तमान में कुछ स्वार्थी संचालकों और लापरवाह अधिकारियों की वजह से वंचित वर्ग के छात्रों को फिर से निराशा का सामना करना पड़ रहा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन छात्रों को शिक्षा के आनंदोत्सव से भी दूर रखा जा रहा है।

मीलया गर्ल्स प्राइमरी स्कूल में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत

फूल और उपहार देकर नन्हें छात्रों का हुआ स्वागत

बीड (प्रतिनिधि), जून २०२५:

मलिया गर्ल्स प्राइमरी स्कूल में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत उत्साहपूर्ण वातावरण में की गई। इस अवसर पर विद्यालय में आने वाले सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया, विशेष रूप से कक्षा पहली से चौथी तक नए दाखिला लेने वाले छात्रों को फूलों और उपहारों के साथ ससम्मान विद्यालय में प्रवेश कराया गया।

सरकार महाराष्ट्र की ओर से प्राप्त पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी इसी दिन किया गया, और उसी दिन से कक्षाओं में नियमित शिक्षण कार्य आरंभ हो गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्कूल के प्रति लगाव और शिक्षा के प्रति प्रेम को बढ़ाना था। इस अवसर पर अंजुमन इशाअत-ए-तालीम की सचिव ख़ान सबीहा बाजी साहिबा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताया और उन्हें मेहनत व लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी।

विद्यालय की प्रधान अध्यापिका मिर्ज़ा कनीज़ बाजी साहिबा, यास्मीन बाजी, निदरत बाजी, अल्ताफ बाजी और समस्त शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें।

राज्य के सभी परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण को तय समयसीमा में पूर्ण करें: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । १९ जून

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को निर्देश दिए कि महाराष्ट्र राज्य की सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण का कार्य तय की गई समयसीमा के अनुसार पूरा किया जाए, ताकि ये विकास योजनाएं समय पर पूरी हो सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण की कमी के कारण कोई भी परियोजना अटकी नहीं रहनी चाहिए और इसके लिए सभी संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता के साथ काम करना चाहिए।

यह समीक्षा बैठक मुख्यमंत्री निवास वर्षा में आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य के कई बड़े सड़क, रेलवे और हवाईअड्डा परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजनाओं की देरी से लागत में भारी बढ़ोतरी होती है, इसलिए टाइमलाइन का सख्ती से पालन अनिवार्य है। उन्होंने सभी अधिकारियों से मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को गंभीरता से लेकर तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया।

जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गई:

नागपुर-गोवा शक्तिपीठ महामार्ग

विरार-अलिबाग कोरिडोर

जालना-नांदेड एक्सप्रेसवे

पुणे रिंग रोड (पूर्व, पश्चिम और विस्तार)

भंडारा-गडचिरोली, नागपुर-चंद्रपुर, नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे

नवेगाव-सुरजागड़ मिनरल कोरिडोर

वाढवण-इगतपुरी द्रुतगती महामार्ग

वर्धा-नांदेड और वडसा-गडचिरोली रेलवे परियोजनाएं

कोल्हापुर, कराड, अकोला, गडचिरोली और औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) के हवाईअड्डे

फडणवीस ने विशेष रूप से शक्तिपीठ महामार्ग को गति शक्ति योजना' के अंतर्गत रन कर आराखड़ा तैयार करने के निर्देश दिए ताकि वन भूमि का न्यूनतम नुकसान हो। उन्होंने १२,००० करोड़ के भूमि अधिग्रहण खर्च के लिए वित्त विभाग से बजटीय प्रावधान की भी मांग की।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

खासबाग से मोमीनपुरा को जोड़ने के लिए बनेगा पक्का पुल

आ. संदीपभैय्या और सलीमभाई ने अधिकारियों के साथ किया स्थल निरीक्षण

खुर्शीद आलम की १८ वर्षों की मेहनत को मिला सफलता का फल

बीड (प्रतिनिधि): बीड शहर के खासबाग से मोमीनपुरा को जोड़ने वाला बिंदुसरा नदीपात्र पर वर्षों से अस्थायी रूप से तैयार किया जाने वाला कच्चा पुल अब जल्द ही पक्का और मजबूत बनने जा रहा है। आज सुबह विधायक आ. संदीपभैय्या क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैयद सलीमभाई ने अभियंताओं की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थल का सर्वेक्षण किया।

यह पुल भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण से मज़बूत और टिकाऊ बनाया जाएगा। फिलहाल जो कच्चा पुल है, वह हर साल बाढ़ में बह जाता है, जिससे स्कूली बच्चों, नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पहले यहां पुलकम बंधारा बनाए जाने की योजना थी, लेकिन तकनीकी कारणों से अब वह बंधारा बिंदुसरा नदी पर बने मुख्य पुल के समीप तैयार किया जा रहा है।

खासबाग और मोमीनपुरा जैसे दो प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ने वाला यह पुल न केवल लोगों की दैनिक आवाजाही के लिए अहम है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। इसी वजह से राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार गुट) के शहराध्यक्ष और पूर्व सभापति खुर्शीद आलम ने पिछले १८ वर्षों से इस पुल के लिए सतत प्रयास किए। जबसे आ. संदीपभैय्या क्षीरसागर विधायक बने हैं, तबसे यह प्रयास और अधिक तेज हो गया। उनके समक्ष बार-बार निवेदन किया गया और अब इन प्रयासों को सफलता मिली है।

आज के निरीक्षण के दौरान आ. संदीपभैय्या, पूर्व विधायक सलीमभाई के साथ अभियंता, खुर्शीद आलम, वकीलसर, रोहिलदादा, मोमीन मसीभाई, मसूद खान, शेषेराव तांबे, हमीद भाई, अकील भाई आदि गणमान्य उपस्थित थे।

गेवराई न्यायालय भवन के विस्तार के लिए १० करोड़ की मंजूरी, विधायक विजयसिंह पंडित ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार का जताया आभार

गेवराई, १९ जून (प्रतिनिधि):

गेवराई दीवानी न्यायालय भवन के विस्तारीकरण कार्य के लिए १० करोड़ २ लाख की निधि मंजूर की गई है, जिसे राज्य सरकार ने प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना के तहत वर्तमान न्यायालय भवन पर एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें चार नए कोर्ट हॉल शामिल होंगे।

विधायक विजयसिंह पंडित ने अपने विधानसभा चुनावी घोषणापत्र में इस कार्य का वादा किया था। अब इस वादे को निभाते हुए उन्होंने प्रयास किए और उपमुख्यमंत्री तथा वित्त मंत्री अजितदादा पवार के सहयोग से यह निधि मंजूर करवाई। उन्होंने इस स्वीकृति के लिए अजित पवार का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया।

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान विजयसिंह पंडित ने मतदाताओं से वादा किया था कि वे गेवराई में अतिरिक्त जिल्हा और सत्र न्यायालय की स्थापना हेतु भी प्रयास करेंगे। उनके अनुसार, इस इमारत के विस्तार के बाद उस दिशा में रास्ता सुगम हो जाएगा।

यह मंजूरी विधि एवं न्याय विभाग द्वारा गुरुवार, १९ जून को शासन निर्णय के रूप में जारी की गई। प्रस्तावित कार्यों में नई मंजिल, कोर्ट हॉल के अलावा इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर फाइटिंग सिस्टम, सीसीटीवी, एसी, फर्नीचर, लिफ्ट आदि सुविधाएं शामिल हैं।

१९ मई को गेवराई में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन के दौरान वकील संघ की ओर से उपमुख्यमंत्री अजित पवार को यह मांग सौंपी गई थी, जिस पर उन्होंने वादा किया था। अब महज एक महीने के भीतर उस वादे को पूरा कर दिया गया है, जिससे गेवराईवासियों में संतोष का माहौल है।

इस अवसर पर वकील संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने विधायक विजयसिंह पंडित का आभार व्यक्त किया है।

परळी के होनहारों का भाजपा की शहराध्यक्ष उमाताई समशेट्टे की ओर से सम्मान

ना. पंकजाताई मुंडे के प्रशस्ति पत्र देकर किया सत्कार

परळी (प्रतिनिधि):

परळी शहर के तीन होनहार विद्यार्थियों - सोमेंद्र शास्त्री, सुजित पिंपळे और कु. सिद्धी टिंबे - जिन्होंने शिक्षा, खेल और तकनीकी क्षेत्र में परळी का नाम रोशन किया है, उनका सम्मान भाजपा शहराध्यक्ष सौ. उमाताई समशेट्टे ने उनके घर जाकर किया।

इस अवसर पर शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ और राज्य की पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजाताई मुंडे का प्रशस्तिपत्र देकर इन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सुजित पिंपळे, जो वाराणसी के प्रौद्योगिकी विभाग में शोध कर रहे हैं, उनका शोधपत्र कार्बन डायऑक्साइड कैप्चर के लिए बायफेसिक टीका-रासायनिक अभियांत्रिकी एवं टिमीडा मिश्रण का प्रयोगात्मक और विशेषता विश्लेषण अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है, जो परळी के लिए गर्व की बात है।

वहीं सोमेंद्र शास्त्री ने हाल ही में थाईलैंड में आयोजित योग स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते हैं।

इसके अलावा, नीट परीक्षा में सफलता पाने वाली कु. सिद्धी टिंबे को भी उनके घर जाकर १८ जून को शुभकामनाएं दी गईं।

इस मौके पर सौ. उज्ज्वला काटकर, सौ. तारावती अग्रवाल, सौ. छाया देशमुख, श्रीमती सुचेता पोखरकर, सुशील हरंगुळे, दत्ता गोपनपाळे, विकास हालगे, अनिल चौंडे, नितीन हालगे, नरेश पिंपळे, रमेश चौंडे, भूषण आंबेकर आदि गणमान्य उपस्थित थे।

पाटोदा में प्रियदर्शनी प्राथमिक विद्यालय एवं कन्या प्रशाला में पालक मेळावा उत्साह के साथ संपन्न

डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया, अभिभावकों से किया संवाद

बीड (प्रतिनिधि), १९ जून:

पाटोदा स्थित विनायक युवक कल्याण संस्था द्वारा संचालित प्रियदर्शनी प्राथमिक विद्यालय एवं प्रियदर्शनी कन्या प्रशाला में गुरुवार को पालक मेळावा (अभिभावक सम्मेलन) बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था की सचिव डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया और अभिभावकों से संवाद स्थापित किया।

प्रियदर्शनी प्राथमिक विद्यालय के कार्यक्रम में डॉ. क्षीरसागर के साथ संस्थागत अधिकारी डॉ. सुधाकर गुट्टे, कार्यालयीन अधीक्षक डॉ. विश्वंभर देशमाने, पूर्व मुख्याध्यापक एस.आर. जाधव, पूर्व नगरसेवक संदीप जाधव, श्रीमती अडागळे, श्रीकांत लांडगे, आशा जाधव, श्रीमती कदम, पालक प्रतिनिधि भीमराव घोलप, भास्कर मिसाळ, ज्ञानेश्वर चापकानडे, श्रीमती बनगे, शिंदे, विद्यालय के मुख्याध्यापक पवनकुमार मोरे, शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह आयोजन विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

शहर स्थित प्रियदर्शनी कन्या प्रशाला के कार्यक्रम की अध्यक्षता बप्पासाहेब जाधव ने की। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर, नगराध्यक्ष दीपाली जाधव, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के पूर्व तालुका अध्यक्ष शिवभूषण जाधव, बीड जिला पत्रकार संघ के पाटोदा तालुकाध्यक्ष ॲड. महेश बेदरे, वसंतदादा पाटील महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आबासाहेब हंगे, ॲड. तात्यासाहेब तवार, संदीप जाधव, जवाद शेख, मुन्ना शिंदे, सचिन गायकवाड, शाला के मुख्याध्यापक सचिन खोले, शिक्षक नवनाथ ढाकणे, दहिफळे आदि मान्यवर उपस्थित रहे।

इस दौरान दसवीं बोर्ड परीक्षा में विशेष प्राविण्य हासिल करने वाली छात्राओं - प्राप्ती घुमरे, देविका जाधव, बांगर, सय्यद शेख का विशेष सत्कार किया गया।

डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर का संकल्प:

हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं

डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर ने कहा कि विद्यालय केवल डॉक्टर और इंजीनियर बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रशासनिक सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए भी हम प्रयासरत हैं। हम शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देते हैं।

अभिभावकों के सुझावों का पालन करते हुए समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

हिंदी भाषा विवाद के पीछे राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस की मिलीभगत- नाना पटोले का गंभीर आरोप

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । १९ जून

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने गुरुवार को राज्य में चल रहे हिंदी भाषा विवाद को लेकर एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पूरा मुद्दा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की मिलीभगत से जानबूझकर खड़ा किया गया है, ताकि राज्य के ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके।

पटोले ने सवाल उठाया कि जब हाल ही में राज ठाकरे और फडणवीस की मुलाकात हुई, उसी के तुरंत बाद राज्य सरकार की ओर से हिंदी को वैकल्पिक भाषा के रूप में लागू करने वाला शासकीय निर्णय (जीआर) कैसे जारी हुआ? उन्होंने इसे एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पहली से तीसरी तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को वैकल्पिक बनाने की योजना घोषित की है, लेकिन इसके जारी जीआर के बाद राज्य में विवाद खड़ा हो गया है। खासकर मुंबई महानगरपालिका चुनाव की पृष्ठभूमि में मराठी और अमराठी का मुद्दा फिर उभारा गया है।

नाना पटोले ने स्पष्ट रूप से कहा कि:

राज्य में किसानों को बेमौसम बारिश से भारी नुकसान हुआ है, किसान कर्जमाफी की मांग कर रहे हैं, बहनों को २१०० की सहायता की मांग हो रही है, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है, लेकिन सरकार के पास न तो पैसा है और न जवाब। ऐसे में हिंदी भाषा का मुद्दा उठाकर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि फडणवीस और राज ठाकरे को छात्रों की शिक्षा या भाषा से कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरा विवाद स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जानबूझकर हवा दी गई है, जिससे मतों का ध्रुवीकरण हो और भाजपा व मनसे को उसका फायदा मिले।

पटोले ने सवाल किया कि जब सरकार ने कुछ दिन पहले ही स्पष्ट किया था कि पहली कक्षा से हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा, तो राज ठाकरे से मुलाकात के बाद ही यह विवादास्पद जीआर कैसे आया? उन्होंने इसे मैं मारने का दिखावा करूं और तुम रोने का' प्रकार बताया।

पटोले ने अंत में कहा कि मराठी भाषा और संस्कृति को संरक्षित किया जाना चाहिए और बच्चों पर पहली कक्षा से हिंदी भाषा का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। लेकिन शिक्षा के इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देना निंदनीय है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com